Under CSR Support by ipca Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. **निम्नलिखित में से कितने प्रतिशत भूमि वनों के लिए होनी चाहिए?**
(अ) 33 (ब) 44
(स) 22 (द) 55

2. **रबड़ का संबंध किस प्रकार की वनस्पति से है?**
(अ) उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन (ब) टुंड्रा
(स) हिमालय (द) मैंग्रोव

3. **भारत में कितने जैव मंडलीय निचयों को यूनेस्को से मान्यता प्राप्त है?**
(अ) 12 (ब) 10
(स) 8 (द) 4

4. **निम्न में से किस प्रदेश में वनों का वितरण सर्वाधिक है?**
(अ) मिजोरम (ब) त्रिपुरा
(स) अंडमान एवं निकोबार (द) अरुणाचल प्रदेश

5. **सिमलीपाल जीव मंडल निचय भारत के कौन-से राज्य में स्थित है?**
(अ) उड़ीसा (ब) पश्चिमी बंगाल
(स) पंजाब (द) दिल्ली

6. **भारतीय सिंह का प्राकृतिक निवास कौनसे राज्य में है?**
(अ) मध्यप्रदेश (ब) गुजरात
(स) असम (द) राजस्थान

7. **उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन है-**
(अ) एबोनी (ब) महोगनी
(स) रोजवुड (द) उपर्युक्त सभी

8. **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान कौनसे राज्य में है?**
(अ) मध्य प्रदेश (ब) उत्तराखण्ड
(स) असम (द) ओडिसा

9. **उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वनों के लिए कितनी वर्षा आवश्यक है?**
(अ) 50 सेमी. (ब) 70 सेमी.
(स) 100 सेमी. (द) 200 सेमी. से अधिक

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. सिमलीपाल जीव मंडल निचय है–

(अ) राजस्थान में
(ब) ओडिसा में
(स) गुजरात में
(द) छत्तीसगढ़ में

रिक्त स्थान

11. हमारे देश में _____________ जीव मंडल निचय स्थापित किये गए हैं जिन्हें पादप और जीव संपत्ति की सुरक्षा के लिए स्थापित किया गया है।

12. भारत में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम सन् _____________ में लागू किया गया।

सत्य/असत्य

13. कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश के 4000 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले भागों की वनस्पति अल्पाइन एवं टुण्ड्रा वनस्पति है।

14. पौधों की प्रजातियों की संख्या के आधार पर भारत का विश्व में दसवाँ तथा एशिया में चौथा स्थान है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. नीलगिरि जीवमंडल निचय का विस्तार किन राज्यों में है?

16. जीव मंडल निचय से क्या अभिप्राय है। कोई दो उदाहरण दो।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. शुष्क पर्णपाती वनों की चार विशेषताएँ लिखिए।

18. वनस्पति जगत तथा प्राणी जगत में अंतर कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. वनों को किस प्रकार से संरक्षित किया जा सकता है? विभिन्न उपाय बताइए।

20. भारत वनस्पति जगत तथा प्राणी जगत की धरोहर में धनी क्यों है?

HOTS

21. भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में कंटीले वन क्यों पाए जाते हैं? दो कारण बताइए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by Ipca Foundation missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

उत्तरमाला

1. **(अ)** 33
2. **(अ)** उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन
3. **(अ)** 12
4. **(स)** अंडमान एवं निकोबार
5. **(अ)** उड़ीसा
6. **(ब)** गुजरात
7. **(द)** उपर्युक्त सभी
8. **(स)** असम
9. **(द)** 200 सेमी. से अधिक
10. **(ब)** ओडिसा में
11. 18
12. 1972
13. सत्य
14. सत्य
15.
    i. कर्नाटक
    ii. तमिलनाडु
    iii. केरल
16. **जीव मंडल निचय :** एक संरक्षित जीव मंडल जिसका संरक्षण इस प्रकार किया जाता है कि न केवल इसकी जैविक भिन्नता संरक्षित की जाती है है अपितु इसके संसाधनों का प्रयोग भी स्थानीय समुदायों के लाभ हेतु टिकाऊ तरीके से किया जाता है। उदाहरण- नीलगिरि, सुंदरवन।
17. **शुष्क पर्णपाती वनों की विशेषताएँ-**
    i. ये वन सामान्यतः उन प्रदेशों में पाए जाते हैं, जहाँ वार्षिक वर्षा 50 से 75 से.मी. तक होती है।
    ii. वर्षा की मात्रा कम होने के कारण इन वनों के वृक्षो को ऊँचाई अपेक्षकृत कम होती है।
    iii. इनके प्रमुख क्षेत्र दक्षिण-पश्चिमी बिहार, दक्षिणी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक आदि में विस्तृत है।
18. **वनस्पति जगत तथा प्राणी जगत में अंतर निम्नलिखित है-**

वनस्पति जगत	प्राणी जगत
किसी क्षेत्र विशेष अथवा अवधि में भू पर्पटी पर पाई जाने वाली सभी प्रकार की पौधों की प्रजातियों को वनस्पति कहा जाता है।	किसी क्षेत्र विशेष या अवधि में भू पर्पटी पर पाई जाने वाली सभी प्राणियों को प्राणी जगत कहा जाता है।
ये अपना भोजन सूर्य के प्रकाश से बनाते हैं।	ये अपना भोजन स्वयं नहीं बना सकते अपितु वनस्पति जगत पर निर्भर होते हैं।
भारत में वनस्पति जगत में लगभग 47,000 विभिन्न जातियों के पेड़ पौधे पाए जाते हैं।	भारत में प्राणी जगत में लगभग 89,00 विभिन्न जातियों के जीव जंतु पाए जाते हैं।

मिशन ज्ञान पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

19. वन एक महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संपदा हैं। ये देश के विकास में मत्त्वपूर्ण भमिका निभाते हैं। अतः वन संरक्षण के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाकर, वन समस्या को हल किया जा सकता है-

उपाय-

i. वनों की अंधाधुंध कटाई पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है।

ii. अति चराई पर रोक लगाई जाए।

iii. वनों से वृक्ष काटने पर उनके स्थान पर वृक्षारोपन करना आवश्यक है।

iv. वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए क्षेत्रों का निर्धारण करना चाहिए।

v. वन क्षेत्रों को संरक्षित करने की नितांत आवश्यकता है।

vi. लकड़ी के ईधन का उपयोग कम-से-कम हो। उसके लिए पूरक साधनों का विकास किया जाए।

vii. वनों को हानिकारक कीड़े-मकोड़ो, बीमारियों, आग, आदि से सुरक्षित रखा जाए।

viii. वनों की उपयोगिता और उसकी महत्ता की जानकारी के लिए जनचेतना व जनजागरण पैदा किया जाए।

20. भारत में पृथ्वी की लगभग सभी भौतिक विशेषताएं मौजूद हैं। जैसे-पर्वत, मैदान, मरुस्थल, पठार एवं द्वीप आदि। ये पांचों कारक भारत में वनस्पति जगत एवं प्राणी जगत की वृद्धि एवं विकास के लिए या जैविक विविधता के लिए अनुकूल हैं। हमारा देश भारत विश्व के मुख्य 12 जैव विविधता वाले देशों में से एक है। लगभग 47000 विभिन्न जातियों के पौधे पाए जाने के कारण यह देश विश्व में दसवें स्थान पर और एशिया के देशों में चौथे स्थान पर है। भारत में लगभग 15000 फूलों के पौधे हैं जो कि विश्व में फूलों के पौधे का 6 प्रतिशत है। इस देश में बहुत से बिना फूलों के पौधे हैं। जैसे, फर्न, शवैल (एलेगी) तथा कवक (फजाई) भी पाए जाते हैं। भारत में लगभग 89000 जातियों के जानवर तथा ताजे तथा समद्री पानी की विभिन्न प्रकार की मछलियाँ पाई जाती हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की मृदा, आर्द्रता एवं तापमान में अत्यधिक भिन्नता के साथ अलग-अलग प्रकार का वातावरण पाया जाता है। पूरे देश में वर्षा का वितरण भी असमान है। यहाँ अल्पमत वर्षा वाले इलाके भी हैं, वहीं संसार का सबसे अधिक वर्षा बहुल इलाका भी है। वनस्पति जगत एवं प्राणी की जगत की विभिन्न प्रजातियों को अलग-अलग प्रकार की वातावरण संबंधी परिस्थितियाँ, विभिन्न प्रकार की मृदा चाहिए होती है। इसलिए भारत वनस्पति जगत तथा प्राणी जगत की धरोहर में धनी है।

21. **भारत के उत्तर-पश्चिमी भागों में कंटीले वन सीमित हैं। यहाँ इनके पाए जाने के कारण निम्नलिखित है-**

i. जहाँ 75 से.मी. से कम वर्षा होती है, साथ ही वार्षिक और दैनिक तापांतर अधिक पाया जाता है।

ii. ये वन कंटीले इसलिए हैं, जिससे ये पशुओं से तथा मनुष्यों से अपनी रक्षा कर सकें। इन वनों के वृक्षों की किस्में सीमित होती हैं। कीकर, बबूल, खैर और खजूर इन वनों के उपयोगी वृक्ष हैं। इनकी जड़ें लंबी और अरीय आकृति में फैली होती हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ः जब चाहे, जहाँ चाहे, जैसे चाहे!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES